

जबलपुर, सोमवार 10 अगस्त 2026

login : www.haribhoomi.com

शहडोल | बुढ़ार | धनपुरी | ब्योहारी | जयसिंहनगर | बाणसागर

मासूमों की मौत का जिम्मेदार कौन

पानी भरे गड्ढे में डूबे दो सगे भाई



हमेशा की तरह मर्ग कायम कर जांच का झुनझुना थमा दिया गया। लेकिन असली सवाल तो अब खड़े होते हैं, खनन नियमों के मुताबिक मिट्टी निकालने के बाद गड्ढों को भरना या सुरक्षा घेरा लगाना अनिवार्य है, तो फिर भ्ा संचालकों ने नियमों का जनाजा कैसे निकाला।

खनिज व पुलिस विभाग सो रहा था

गाड़ाघाट में सरेआम जमीन को खुदाई होती रही और जिम्मेदार अफसर आंखें मूंदकर दफ्तरों में चाय की चुस्कियां लेते रहे? दो मासूमों की जान जाने के बाद भी दोषी भ्ा संचालकों पर गैर-इशदतन हत्या की सख्त धाराओं में प्राथमिकी दर्ज क्यों नहीं की जा रही?

कोहराम में बदला परिवार

एक ही घर से दो सगे भाइयों की अर्थी उठने की खबर से अमराडंडी में मातम पसरा हुआ है। माँ-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गाँव में प्रशासनिक तंत्र के खिलाफ भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का साफ कहना है कि यह कोई साधारण हादसा नहीं, बल्कि सरकारी शह में हुआ प्रशासनिक कत्ल है। आक्रोशित ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि केवल जांच का नाटक करने से काम नहीं चलेगा। जब तक अवैध रूप से गड्ढे खोदने वाले ईंट भ्ा माफियाओं को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे नहीं भेजा जाता और पीड़ित परिवार को आर्थिक मुआवजा नहीं मिलता, तब तक यह लड़ाई सड़क से लेकर न्यायालय तक लड़ी जाएगी।

अफसर का वरदहस्त हासिल है।

फुटबॉल खेलने निकले थे मासूम, काल बन गए गड्ढे

दर्दनाक हादसे की शुरुआत तब हुई जब दोनों भाई शाम को गांव के पास ही फुटबॉल खेलने निकले थे। खेलते-खेलते दोनों गाड़ाघाट के उस क्षेत्र में पहुँच गए जहां ईंट भ्ा संचालकों ने मिट्टी निकालने के बाद बिना किसी सुरक्षा घेरे के विशालकाय गड्ढे खुले छोड़ रखे थे। मानसूनी बारिश के कारण इन गड्ढों में कई फीट गहरा पानी भरा हुआ था। अचानक बड़े भाई बारिश सिंह का पैर फिसला और वह पानी से लबालब भरे गड्ढे में समाने लगा। अपने भाई को

जिंदगी और मौत के बीच छटपटाता देख 10 साल के छोटे भाई विवेक ने बिना अपनी जान की परवाह किए गड्ढे में छलांग लगा दी। लेकिन भ्ा माफिया द्वारा बनाए गए इस गहरे दलदल ने दोनों मासूमों को संभलने का मौका तक नहीं दिया और देखते ही देखते दोनों भाई पानी के नीचे ओझल हो गए।

मर्ग कायम की रस्म अदायगी, माफिया पर मेहरबानी क्यों

घटना के काफी देर बाद जब एक राहगीर की नजर पानी में तैरते शवों पर पड़ी, तो पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। आनन-फानन में पुलिस मौके पर पहुंची, शवों को बाहर निकाला गया और

शहडोल में धूमधाम से मनाया गया 32वां विश्व आदिवासी दिवस बैगा समाज ने पेंशन बढ़ाने और प्रतिमा पुनस्थापना को लेकर सौंपा ज्ञापन

शहडोल। शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो और जय सेवा, जय जोहार, जय संविधान के ओजस्वी नारों के साथ 09 अगस्त को शहडोल की धरा पर विश्व आदिवासी/मूलनिवासी दिवस का 32वां अवसर बेहद भव्य, अनुशासित और उत्साहपूर्ण माहौल में मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा घोषित इस गौरवशाली दिवस पर सर्व आदिवासी समाज एवं गोंडवाना स्टूडेंट यूनियन (जीएसयू) शहडोल के संयुक्त तत्वावधान में सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं जन-जागरूकता रैली का भव्य आयोजन किया गया, जिसने पूरे अंचल को जनजातीय संस्कृति के अनूठे रंगों से सराबोर कर दिया।

चांपा से टेक्निकल ग्राउंड तक उमड़ा जनसैलाब

समारोह का मुख्य आकर्षण सुबह चांपा से शुरू हुई विशाल रैली रही। पारंपरिक परिधानों में सजे युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं की टोलियां जब हाथों में अपनी गौरवशाली विरासत के प्रतीक चिन्ह लेकर निकलीं, तो पूरा मार्ग जय जोहार के नारों से गुंजायमान हो उठा। रैली की सबसे बड़ी ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।



समाज के लोग थिरकते हुए आगे बढ़े। यह

रैली चांपा से प्रारंभ होकर अनुशासित रूप से अपने गंतव्य स्थल टेक्निकल ग्राउंड शहडोल (मत्स्य पालन के सामने) पहुंची, जहाँ मुख्य आयोजन का भव्य मंच तैयार किया गया था। ग्राम पंचायत छतबई में जनजातीय नायक धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की खंडित प्रतिमा को बदलने तथा बुजुर्गों एवं दिव्यांगों की पेंशन राशि बढ़ाने की मांगों को लेकर कलेक्टर एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

हरिभूमि विराट भूमि

खबर संक्षेप

विधिक माप विज्ञान नियमों में संशोधन पर आपति

शहडोल। मध्यप्रदेश विधिक माप विज्ञान नियम 2011 में प्रस्तावित संशोधन को लेकर शहडोल के व्यवसायी नंद किशोर बहुरानी ने आपति दर्ज कराते हुए नियमों और शुल्क व्यवस्था को सरल करने की मांग की है। इस संबंध में 5 अगस्त 2026 को प्रमुख सचिव, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मध्यप्रदेश शासन को पत्र भेजा गया है। पत्र नियंत्रक नापतौल कार्यालय, भोपाल के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।पत्र में कहा गया है कि छोटे स्तर पर कार्य करने वाले व्यवसायी किराये के परिसरों में नापतौल उपकरणों की मरम्मत का काम करते हैं। ऐसे में पंजीयन, संशोधन और सत्यापन से संबंधित शुल्क बढ़ते तथा प्रक्रिया जटिल होने से छोटे व्यवसायियों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ेगा। आवेदन ने नियम 9 के बिंदु 5 को हटाने और सभी प्रकार के पंजीयन में संशोधन शुल्क को न्यूनतम रखने की मांग की है।पत्र में नियम 9 के बिंदु 9 को भी विलोपित करने का सुझाव दिया गया है। आवेदन का तर्क है कि सत्यापन शुल्क ऑनलाइन जमा होने की व्यवस्था है, इसलिए विभाग को आर्थिक बुरकाना की संभावना नहीं है। ऐसे में 5 हजार रुपये की प्रतिभूति राशि अनिवार्य किंव जाने की आवश्यकता नहीं है।इसवी तरह नियम 10 के बिंदु 11 में मासिक प्रतिवेदन के स्थान पर वार्षिक अथवा त्रैमासिक प्रतिवेदन की व्यवस्था लागू करने का सुझाव दिया गया है। पत्र में उत्तरप्रदेश में वार्षिक तथा छ्तीसगढ़ में त्रैमासिक प्रतिवेदन की व्यवस्था का उदाहरण देते हुए मध्यप्रदेश में भी प्रक्रिया सरल करने की मांग की गई है।अनुसूची-चार में पंजीयन शुल्क की युक्तिसंगत करने की मांग करते हुए मरम्मतकर्ता के लिए 2500 रुपये, पंजीयन में संशोधन के लिए 500 रुपये और द्वितीय प्रति के लिए 200 रुपये शुल्क निर्धारित करने का सुझाव दिया गया है। वहीं अनुसूची-7 में सत्यापन प्रमाण-पत्र में आवेदनक अथवा मरम्मतकर्ता का उपलब्ध करने तथा अनुसूची-8 में सत्यापन फीस की समीक्षा की मांग की गई है।पत्र में यह भी कहा गया है कि शुल्क बढ़ने से कई लोग नापतौल उपकरणों की मरम्मत और सत्यापन करने से बच सकते हैं, जिससे विभाग का राजस्व प्रभावित होने की संभावना है। मरम्मतकर्ताओं का पंजीयन राज्य, संभाग एवं जिला स्तर पर किए जाने तथा नियमों को सरल बनाकर नई पौदी को इस व्यवसाय से जोड़ने की मांग की गई है। पत्र की प्रतियां संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को भी भेजी गई हैं।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत ग्राम पंचायत नरवार एवं लालपुर में उत्साह



शहडोल। हर घर तिरंगा 2026 अभियान के तहत ग्राम पंचायत नरवार एवं ग्राम पंचायत लालपुर में राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना के साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए तिरंगे के प्रति सम्मान और देशप्रेम का संदेश दिया।इस अवसर पर ग्रामीणों को हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही प्रत्येक घर पर तिरंगा फहराकर राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया गया। आयोजन के माध्यम से ग्रामीणों में राष्ट्रीय एकता, गौरव और देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित किया गया।

उमरिया: जोहिला बांध के 5 गेट खोले गए



उमरिया। जिले में बाँते दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश से नदियाँ-नाले उफान पर हैं। बारिश के चलते बिरसिंहपुर पाली स्थित संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के जोहिला बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ गया, जिसके बाद बांध की सुरक्षा और जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए 6 में से 5 गेट करीब 11 मीटर तक खोल दिए गए। गेट खुलते ही बांध से तेज वेग के साथ निकलते पानी का दृश्य बेहद आकर्षक नजर आया। निचले इलाकों में अलर्ट, प्रशासन तैनात- बांध से आने मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। निचले और तटीय इलाकों में रहने वाले ग्रामीणों को विशेष सावधानी बरतने तथा नदी-नालों के आसपास न जाने की अपील की गई है।



सरकारी शह और माफिया का खेल

शहडोल। कानून का डंडा सिर्फ कागजों में चलता है या गरीबों की झोपड़ियों पर, यह देखना हो तो अमलाई थाना क्षेत्र के गाड़ाघाट आ जाइए। यहां ईंट भ्ा माफिया की अंधी कमाई और प्रशासनिक अधिकारियों की आपराधिक खामोशी ने दो हंसते-खेलते मासूम चिरागों को हमेशा के लिए बुझा दिया। अमराडंडी निवासी 15 वर्षीय बारिश सिंह और उसके 10 वर्षीय छोटे भाई विवेक सिंह की ईंट निर्माण के लिए खोदे गए मौत के कुएं में डूबने से दर्दनाक मौत हो गई। सवाल यह उठता है कि नियमों को ताक पर रखकर जमीन का सीना छलनी करने वाले इन माफियाओं पर आखिर किस



भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृति में कांग्रेस सेवादल ने निकाली विशाल तिरंगा यात्रा

शहडोल। भारत छोड़ो आंदोलन के अमर क्रांतिकारियों की स्मृति एवं उनके त्याग और बलिदान को नमन करने के उद्देश्य से आज जिला कांग्रेस सेवादल द्वारा विशाल तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश कांग्रेस सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष अतनीश मार्गव के निर्देशन एवं जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के जुझारू एवं ऊर्जावान अध्यक्ष अजय अवस्थी के मार्गदर्शन में जिला कांग्रेस सेवादल के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कांग्रेस भवन से गाजे-बाजे के साथ पवित्रबद्ध रूप से विशाल तिरंगा यात्रा गांधी चौक तक निकाली गई। गांधी चौक पहुंचकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात सत्य, अहिंसा एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की शपथ दिलाई गई और कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस सेवादल के पूर्व अध्यक्ष राकेश कटारे जी, पूर्व अध्यक्ष नीरज द्विवेदी, पूर्व नगर पालिका उपध्यक्ष कुलदीप निगम, प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती शिल्पी अग्रवाल, सुनील खरे 'गुड्डू भैया', जिला उपाध्यक्ष राजीव शर्मा, नगर अध्यक्ष एवं पार्षद प्रभात पांडे, ब्लॉक अध्यक्ष प्रीतम सोनी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम गौतम, धनएसयूआई अध्यक्ष सौरभ तिवारी, कुंज बिहारी द्विवेदी, विष्णु प्रताप सिंह, अजय सिंह, राजेश जोशी, शहंशाह फारूकी, विवेक तिवारी 'विक्रू', यासीन फारूकी, मजहर खान, संजय पटेल, पार्षद महेंद्र भागु भाई पटेल, अजय जायसवाल, शिव शंकर शुक्ला, बाबा खान , प्रदीप सहित बड़ी संख्या में सेवादल एवं कांग्रेस के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कांग्रेसजनों ने स्वतंत्रता संग्राम के महान सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान को याद करते हुए सत्य, अहिंसा, लोकतंत्र एवं राष्ट्र की एकता-अखंडता की रक्षा का संकल्प लिया।

महिला ने चप्पल-लातों से मनचले को सिखाया सबक, वीडियो वायरल

मम्मी-मम्मी कहकर मांगता रहा रहम की भीख

शहडोल। रेलवे स्टेशनों पर महिलाओं की सुरक्षा के दावों की ध्वजियां उड़ाता एक सनसनीखेज वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मामला शहडोल जिले के बुढ़ार रेलवे स्टेशन का है, जहां देर रात ट्रेन का इंतजार कर रही एक अकेली महिला पर फब्तियां कसना एक मनचले को भारी पड़ गया। महिला ने डरने के बजाय झांसी की रानी का रूप धारण कर मनचले को स्टेशन परिसर में ही लात-घूसीं और मोबाइल से पीट-पीटकर अधमरा कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला देर रात यात्रा के लिए बुढ़ार स्टेशन पर बैठी थी। इसी दौरान एक आवारा बुढ़ार उसके पास आकर अश्लील हरकतें और छेड़छाड़ करने लगा। महिला ने बिना वक्त गंवाए आत्मरक्षा में मनचले का



कोलर पकड़ लिया और ताबड़तोड़ थप्पड़ व लातें बरसाना शुरू कर दिया। महिला के आक्रामक तेवर देखकर मनचले के होश उड़ गए। वह पिटाई से बचने के लिए पीछे भागने लगा और गिड़गिड़ाते हुए

चिल्लाने लगा, मुझे छोड़ दो मम्मी, गलती हो गई। महिला द्वारा पुलिस बुलाने की बात कहते ही आरोपी किसी तरह जान बचाकर मौके से रफूचककर हो गया। वहां मौजूद किसी यात्री ने इस पूरी घटना का

वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।

वीडियो मीडिया पर लोग महिला के इस साहस और सेल्फ डिफेंस की जमकर तारीफ कर रहे हैं। हालांकि, इस घटना ने जीआरपी और आरपीएफ की कार्यशैली की कलई खोलकर रख दी है। लाखों रुपये के बजट से चलने वाली स्टेशन सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़ा होता है कि देर रात जब स्टेशन परिसर में यह हाई-वोल्टेज ड्रामा चल रहा था, तब सुरक्षाकर्मी कहाँ सो रहे थे? यदि महिला हिम्मत न दिखाती, तो कोई भी अनहोनी घट सकती थी। स्थानीय लोगों ने रेलवे प्रशासन से देर रात यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की सुरक्षा पुख्ता करने और आरोपी मनचले को चिह्नित कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

बारिश में टापू बन जाता है गांव, 100 मीटर की पुलिया बनाना भूले अफसर, ग्रामीण परेशान

शहडोल। मध्य प्रदेश अजब है और शहडोल के सरकारी निर्माण के कारनामे सबसे गजब हैं, जिले में प्रशासनिक अनदेखी की एक ऐसी बानगी सामने आई है, जिसने लोक निर्माण विभाग की कार्यशैली का जनाजा निकाल दिया है। जनपद पंचायत बुढ़ार के ग्राम पंचायत देघा से छिनमार मार्ग पर करीब साढ़े चार किलोमीटर लंबी चमचमाती सड़क तो बनकर तैयार हो गई, लेकिन रास्ते के बीच पड़ने वाली महज 100 मीटर की पुलिया बनाना ठेकेदार और अफसर भूल गए। नतीजा यह है कि करोड़ों की लागत से बनी सड़क दौड़ने के लिए तैयार खड़ी है, लेकिन जैसे ही रास्ते में उफनती नदी आती है, पूरा सरकारी विकास वहीं दम तोड़ देता है। गर्मी के दिनों में तो ग्रामीण जैसे-तैसे नदी के सूखे पाट को पार कर आवाजाही कर लेते हैं, लेकिन मानसूनी बारिश शुरू होते ही जलस्तर बढ़ जाता है और संपर्क पूरी तरह कट जाता है। नदी में उफान आते ही ग्रामीण घंटों किनारे बैठकर पानी कम होने का इंतजार करने को मजबूर हैं। इस प्रशासनिक



लापरवाही की सबसे भारी कीमत स्कूली बच्चों, गंधीर मरीजों और किसानों को चुकानी पड़ रही है। आपातकालीन स्थिति में एम्बुलेंस नदी के इस पार ही खड़ी रह जाती है और मरीज जिंदगी और मौत के बीच झूलते रहते हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि विभागीय अधिकारियों ने योजना की प्राथमिकता ही खट्टी



तय कर दी। नियमानुसार पहले नदी पर पुलिया का निर्माण होना चाहिए था, जिससे आवागमन सुचारू रहता और उसके बाद सड़क बिछाई जाती। लेकिन यहाँ अफसरों ने बजट खपाने के चक्कर में सड़क तो बिछा दी, पर मुख्य पुलिया को अधर में लटका दिया। ग्रामीणों ने तीखा सवाल खड़ा किया है कि जब

सड़क को जोड़ने वाली पुलिया ही नहीं बनी, तो जनता के टैक्स से खर्च किए गए लाखों-करोड़ों रुपये आखिर किस काम के? आक्रोशित ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से अविलंब पुलिया निर्माण शुरू कराने की मांग की है, ताकि सरकारी धन का यह अपव्यय वास्तव में जनता के काम आ सके।



अफसरों की कागजी हरियाली और क्रेशर का खौफ

रकसा में एनजीटी के नियमों की खुली कब्र, सो रहे खनिज-प्रदूषण बोर्ड अधिकारी!

मानपुर। सरकारी एसी की ठंडी हवा में अगर दिमाग काम करना बंद कर दे, तो जमीन पर बारूद के धमाके और उड़ती धूल भी अफसरों को शांति और विकास की बयार लगने लगती है। मानपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत रकसा में यही अजीबोगरीब प्रशासनिक तमाशा चल रहा है। यहां गुलाब गुप्ता का क्रेशर पर्यावरण और इसानी जान की धजियाँ उड़ाते हुए बेधड़क चल रहा है, और शहडोल-उमरिया के खनिज व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अफसर आंख-कान पर नोटों या लापरवाही की पट्टी बांधकर गहरी नींद में सोए हुए हैं। सवाल यह है कि मानपुर की जमीन पर चल रही इस खुली दबंगी को किस ताकतवर प्रशासनिक छत्रछाया का संरक्षण मिला हुआ है?

जीपीएस के कागजी जंगल और जादुई चश्मा

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के साहबों की कारगुजारी तो ऐसी है कि उस पर हंसा जाए या रोया जाए, बोर्ड के नुमाइंदे दफ्तर में बैठकर दावा ठोकते हैं कि रकसा के क्रेशर और खदान क्षेत्र में लहलहाते पेड़ दगों हुए हैं। साक्ष्य के तौर पर उनके पास जीपीएस युक्त चमचमाती तस्वीरें भी हैं। अरे हजूर! कभी दफ्तर की एयरकंडीशंड कुर्सियों का मोह छोड़कर धरातल की तपती धूल में कदम तो रखिए। जमीन पर न तो कोई सुरक्षा दीवार है और न ही वे पेड़, जो साहबों के चमत्कारी कैमरों में नजर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि प्रदूषण बोर्ड के जीपीएस कैमरों को रिश्तत या लापरवाही का कोई विशेष चश्मा चढ़ा हुआ है, जिसे जमीन पर कटती वनस्पति, उड़ता खेरीला गुबार और गहड़ते मौत के कुएँ दिखाई ही नहीं देते। कागजों पर प्रदूषण बोर्ड



का बैनर टांग देने भर से अगर पर्यावरण बच जाता, तो फिर जनता के टैक्स से इन अफसरों को हर महीने गाड़ी कमाई की तनखाह किस बात की दी जा रही है?

500 मीटर डेंजर जोन का मखौल

सरकारी कागजों की बाजीगरी देखिए कि खसरा नंबर 530/1/1, 530/1/2 और 530/1/3 (कुल रकबा 1.619 हेक्टेयर) के चारों तरफ बाउंड्री पिलर और लोहे की सुरक्षा फेंसिंग होना कानूनन अनिवार्य है। लेकिन मौके पर स्थिति उन-उन गोपाल है। महानिदेशालय द्वारा तय 500 मीटर के डेंजर जोन के नियमों का सरेआम जनाजा निकाला जा रहा है। न कोई लाल चेतावनी बोर्ड, न सुरक्षा घेरा—मानो यह कोई अधिकृत खदान नहीं, बल्कि बेगुनाह ग्रामीणों और मवेशियों को निगलने के लिए बनाया गया हादसों का खुला मंच हो। पटवारी रजिस्टर में इंट्रान्ज की जहमत उठाई गई न ग्राम पंचायत रकसा से एनओसी लेने की जहमत। जब खनिज अधिकारी ही खदान संचालकों की जेब में

हों, तो फिर ग्राम पंचायत या ग्रामीणों की आँकत ही क्या रह जाती है?

थरति मकान और बंजर होते खेत

क्रेशर से उठते धूल के विकराल बादलों ने रकसा के किसानों और बच्चों का दम घोट रखा है। कच्चे रास्तों पर पानी छिड़कने के नाम पर एक बूंद पानी नहीं बहाया जाता। बिना ढके, क्षमता से दोगुना गिट्टी-पत्थर लादकर फराटा भरते ओवरलोड डंपर ग्रामीणों की साँसों पर डाका डाल रहे हैं। इतना ही नहीं, खदान में होने वाली अनियंत्रित हैवी ब्लास्टिंग से आसपास के पक्के मकानों में दरारें पड़ रही हैं और धरती कांप उठती है। गार्लैंड ड्रेन और सेटलिंग टैंक का दूर-दूर तक नामोनिशान न होने के कारण खदान का केमिकल युक्त जहरीला पानी सीधे उपजाऊ खेतों में बहाया जा रहा है। मलबे और ओवरबर्डन का वैज्ञानिक निस्तारण करने के बजाय उसे किसानों के लहलहाते खेतों में फेंककर जमीन को हमेशा के लिए बंजर बनाया जा रहा है। क्या खनिज

विभाग का काम सिर्फ रॉयल्टी का कट्टा भरना है, किसानों की बर्बादी देखना नहीं?

बंधुआ मजदूरों जैसी जिंदगी और जन-आक्रोश

खदान की गहराई में मौत की बाजी लगाकर काम करने वाले मजदूरों की हालत बंधुआ जैसी है। न सेपटी हेलमेट, न डस्ट मास्क, न जूते और न ही हर 6 महीने में कोई मेडिकल चेकअप। अब रकसा के ग्रामीणों के सब्र का बांध पूरी तरह टूट चुका है। जागरूक ग्रामीणों ने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, खनिज साधन विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के भोपाल स्थित वरिष्ठ अधिकारियों को सीधे निशाने पर लेते हुए हुंकार भरी है। ग्रामीणों की मांग है कि उच्च स्तरीय टीम गठित कर गहराई, अवैध उत्खनन और फर्जी एनओसी की निष्पक्ष जांच हो। नियमों की धजियाँ उड़ाने वाले संचालक और आंख मूंदने वाले दोषी खनिज व प्रदूषण अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज किया जाए। क्रेशर व खदान को अविलंब सील कर भारी जुर्माना वसूला जाए।

सेक्टर मानपुर में स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न

मानपुर। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर व्ही एस चंदेल के मार्गदर्शन में विकासखंड मानपुर के सेक्टर बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक दसन पन्नाम द्वारा लक्ष्य के विरुद्ध शत प्रतिशत उपलब्धि हेतु उपस्थित स्टाफ सेक्टर सुपरवाइजर, एएनएम, आशा सुपरवाइजर को निर्देशित किया गया। उन्होंने मौसमी बीमारियों को देखते हुए मलेरिया टाइफाइड डायरिया, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, परिवार कल्याण कार्यक्रम,अनमोल पोर्टल के माध्यम से गर्भवती माता का पंजीयन एवं शिशु का टीकाकरण के संबंध में विस्तार पूर्वक चर्चा की एवं एक सप्ताह के भीतर कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने स्तनपान सप्ताह के तहत ग्राम स्तर पर जन जागरूकता करने हेतु जानकारी प्रदान करते हुए आवश्यक औषधियां का इंडेंड करने एवं पूर्ति करने के निर्देश दिए गए। गर्भवती माता एवं शिशु के पंजीयन एवं आंकड़ों का मिलान किया गया । समीक्षा के दौरान पाए जाने वाले विसंगति एवं अंतर रखने में की जाने वाले



डेटा को तत्काल लाइन लिस्ट बनाकर एक दूसरे को साझा करके पोर्टल में एंट्री दर्ज करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम की समीक्षा कर, 70 प्लस आयुष्मान कार्ड,अनमोल पोर्टल, टीबी मलेरिया की लक्ष्य अनुसार स्क्रीनिंग कर ऑनलाइन एंट्री हेतु बताया गया। इस दौरान उन्होंने कोल्ड चैन व प्रसव कक्ष का निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने मौसमी बीमारी से बचाओ हेतु जानकारी, शत प्रतिशत टीकाकरण करने की बात कही। बैठक में जिला सीपीएससी सलाहकार डॉ. हर्ष पाटिल जिला क्वालिटी मॉनिटर तरुण बबनिया, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक भानु विश्वकर्मा विकासखंड कम्युनिटी मोबिलाइज राजेंद्र वर्मा बीईई शंकर प्रसाद काले समस्त एमपीएस एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

58 वर्षों से जारी फुटबॉल परंपरा में दिखा रोमांच, खेल भावना और जुनून

लक्ष्मी स्पोर्टिंग मालूमड़ा को ट्राई ब्रेकर में हराकर देवहरा विजयी

दूसरे मुकाबले में जमुना-कोतमा क्षेत्र ने मनेद्रगढ़ को 5-0 से दी मात

हरिमूनि न्यूज बटरा/जमुना।

जमुना कॉलरी स्टेडियम में पिछले 58 वर्षों से आयोजित हो रहे स्वर्गीय एस.एस. झा मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए खेल भावना, अनुशासन और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश की। टूर्नामेंट के मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में खेलरागी पहुंचे और पूरे मैदान में खिलाड़ियों का उत्साह देखते ही बना। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला लक्ष्मी स्पोर्टिंग मालूमड़ा और देवहरा के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने पूरे मुकाबले में एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी। निर्धारित समय तक मुकाबला कांटे का रहा और विजेता का फैसला ट्राई ब्रेकर से किया गया। ट्राई ब्रेकर में देवहरा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं दूसरा मुकाबला जमुना-कोतमा क्षेत्र और मनेद्रगढ़ के बीच खेला गया। इस मुकाबले में जमुना-कोतमा क्षेत्र की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए मनेद्रगढ़ को 5-0 से करारी शिकस्त दी। जमुना-कोतमा के खिलाड़ियों ने पूरे मुकाबले में बेहतर तालमेल, आक्रामक रणनीति और शानदार टीमवर्क का परिचय दिया। मुकाबले के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने खेल भावना और अनुशासन का परिचय देते हुए दर्शकों का खूब मनोरंजन किया।

पत्रकारों की मौजूदगी में हुआ आयोजन

आयोजन की प्रमुख विशेषता यह रही कि मुकाबलों में पत्रकारों को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर पत्रकार संतोष चैरसिया, दिवाकर विश्वकर्मा, गुलाब रजक, विनय उपाध्याय, दिनेश केवट, मदन चौधरी, प्रदीप उपाध्याय और बिलाइ सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा खेल को आपसी भाईचारे और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का माध्यम बताया।



आयोजक मंडल ने संमाली व्यवस्था

टूर्नामेंट को सफल बनाने में आयोजक मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्वनिल पांडे, लाल बहादुर जायसवाल, अजय ताराचंद यादव, नरेश चंद शर्मा, अविनाश सिंह उर्फ राजा सहित आयोजक मंडल से जुड़े सैकड़ों युवाओं ने मैदान की व्यवस्था से लेकर खिलाड़ियों और दर्शकों की सुविधाओं तक जिम्मेदारियां संभालीं। युवाओं की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को भव्य स्वरूप दिया।

58 वर्षों से कायम है फुटबॉल की परंपरा

जमुना कॉलरी स्टेडियम में आयोजित यह फुटबॉल टूर्नामेंट पिछले 58 वर्षों से लगातार खेला जा रहा है। यह प्रतियोगिता स्वर्गीय एस.एस. झा मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट के नाम से आयोजित होती है। स्वर्गीय एस.एस. झा कोतमा कॉलरी वेस्ट कॉलरी में मैनेजर के पद पर कार्यरत रहे थे। उनके आकस्मिक निधन के बाद उनकी स्मृति को जीवंत रखने और क्षेत्र में फुटबॉल खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है।

खेल भावना को आगे बढ़ाना उद्देश्य

आयोजक मंडल के स्वनिल पांडे ने कहा कि टूर्नामेंट का उद्देश्य केवल जीत-हार तक सीमित नहीं है। क्षेत्र के युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना, उनमें अनुशासन और टीम भावना विकसित करना तथा खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराना आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि वर्षों से चली आ रही इस प्रतियोगिता ने क्षेत्र में फुटबॉल के प्रति लोगों का जुड़ाव कायम रखा है।

फुटबॉल से युवाओं को जोड़ना जरूरी रु अजय ताराचंद यादव

आयोजक अजय ताराचंद यादव ने कहा कि खेल युवाओं को सकारात्मक दिशा देने का सबसे बेहतर माध्यम है। फुटबॉल

सामाजिक अभियानों को गति देने पर जोर

मानपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में संवाद योजना अंतर्गत प्रस्फुटन समितियों की विकासखंड स्तरीय मासिक बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 6 अगस्त 2026 को जनपद पंचायत समागार, मानपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रस्फुटन समितियों, नवांकुर संस्थाओं एवं परामर्शदाताओं को परिषद की योजनाओं, शासन के निर्देशों तथा सामाजिक विकास गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षित एवं मार्गदर्शन प्रदान करना था।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जनपद पंचायत मानपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकित कुमार सिरौठिया रहे। अध्यक्षता मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक शहडोल भीम सिंह डामोर ने की, जबकि जिला समन्वयक रविन्द्र कुमार शुक्ल सहित परिषद के अधिकारी, परामर्शदाता, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर मान्यार्ण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद सभी प्रतिभागियों का परिचय कराया गया तथा बैठक के उद्देश्य



और आगामी कार्ययोजना की जानकारी दी गई। विकासखंड समन्वयक महेन्द्र सिंह तराम ने प्रशिक्षण सत्र में प्रस्फुटन समितियों की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए प्रत्येक ग्राम में नशामुक्ति अभियान चलाने, स्वेछिकता पर्व के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं बीजरोपण, पर्यावरण संरक्षण गतिविधियों को बढ़ावा देने, समितियों के अभिलेखों का नियमित संधारण, नवांकुर संस्थाओं के सहयोग से दस्तावेजीकरण तथा परिषद की गतिविधियों को समग्रबद्ध रूप से एमआईएस पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। साथ ही 12 अगस्त को आयोजित हरियाली यात्रा, नवांकुर सखी कार्यक्रम एवं अन्य सामाजिक अभियानों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्हें सफल बनाने का आह्वान

भाजपा मंडल राजनगर की मासिक

कामकाजी बैठक फुलकोना में संपन्न

बूथों को मजबूत बनाने पर जोर, तिरंगा यात्रा और हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज राजनगर। भारतीय जनता पार्टी मंडल राजनगर की मासिक कामकाजी बैठक शुक्रवार को ग्राम फुलकोना स्थित पंचायत भवन में मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, कार्यक्रमों और बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम प्रभारी अमृतलाल केवट के मार्गदर्शन में आयोजित बैठक में नगर परिषद डूबर कछार के अध्यक्ष डॉ. सुनील कुमार चैरसिया तथा भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेश गौतम की विशेष उपस्थिति रही। बैठक की शुरुआत भारत माता, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर की गई। इसके बाद आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर कार्यकर्ताओं से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि डॉ. सुनील कुमार चैरसिया ने भाजपा के आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बूथ अध्यक्षों एवं शक्ति केंद्र प्रभारियों से उनके क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जब बूथ मजबूत होगा, तभी संगठन मजबूत होगा। इसके लिए प्रत्येक बूथ पर कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और आपसी समन्वय जरूरी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। लोगों तक पहुंचाने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करने का आह्वान किया।

तिरंगा यात्रा और हर घर तिरंगा अभियान पर चर्चा

विशिष्ट अतिथि अमृतलाल केवट एवं सुरेश गौतम ने आगामी तिरंगा यात्रा तथा हर घर तिरंगा अभियान को लेकर कार्यकर्ताओं को आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कार्यक्रमों को जनभागीदारी के साथ सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक सक्रिय भूमिका निभानी होगी। बैठक में संगठन की

हर घर तिरंगा अभियान का हुआ शुभारंभ

हर घर तिरंगा अभियान में तिरंगा रैली शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरी

उमरिया।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत 9 अगस्त से 17 अगस्त तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज तिरंगा रैली के साथ अभियान की शुरुआत हुई। उमरिया जिला मुख्यालय में जिला प्रशासन द्वारा विशाल तिरंगा रैली शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरी। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभय सिंह के नेतृत्व में तिरंगा रैली निकाली गई। तिरंगा यात्रा में लोगो ने पूरे उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। तिरंगा रैली में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्त सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने अपनी सहभागिता निभाई।

रैली के माध्यम से आम जनों से अपने अपने घरों में 15 अगस्त तक तिरंगा झंडा लगाने की अपील की गई। रैली स्टेडियम से आरंभ होकर अस्पताल तिराहा जय स्तंभ चौक, गांधी चौक, रणविजय चौक से होते हुए पुनः स्टेडियम पहुंची। रैली के दौरान अधिकारियों, कर्मचारियों, आम नागरिकों, पुलिस के जवानों तथा बड़ी संख्या में उपस्थित छात्रों द्वारा झंडा उंचा रहे हमारा जैसे नारों का उदघोष होता जा रहा।

इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने कहा कि तिरंगा हमारी आन बान शान है। हर घर तिरंगा अभियान केवल शासकीय कार्यक्रम न बने हम सभी गलियाँ मोहल्लों और कालोनियों के हर घर पर तिरंगा लहराने का सपना ले। तिरंगा हमारे

स्वाभिमान का आधार और देश



को विशेष पहचान दिलाने का माध्यम है।

तिरंगा रैली को संबोधित करते हुए अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता ने कहा कि यह आजादी को चिरस्थायी बनाए रखने के लिए जरूरी है कि युवाओं में देश प्रेम देश भक्ति हो। इस तरह के कार्यक्रम युवाओं को देश प्रेम और देशभक्ति की भावना के लिए प्रेरित करते हैं।

इस अवसर पर एसडीएम

बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह डिउटी, कलेक्टर प्रत्युष श्रीवास्तव, प्रिया अग्रवाल, वरिष्ठ कोषालय अधिकारी अखिलेश पाठक, उप संचालक कृषि संग्राम सिंह मरावी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी किशन सिंह, श्री सुशील मिश्रा, कार्यपालन यंत्री पौडब्ब्यूडी, जिला शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र बडकरे सहित बड़ी संख्या में आम जन उपस्थित रहे।

जिला। जिला समन्वयक रविन्द्र कुमार शुक्ल ने अपने संबोधन में कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यवित तक पहुंचाने में प्रस्फुटन समितियों और समाजसेवियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति एवं सामाजिक जागरूकता जैसे अभियानों में जनभागीदारी बढ़ाने का आग्रह किया। अध्यक्षीय उद्घोषण में संभाग समन्वयक श्री भीम सिंह डामोर ने कहा कि परिषद का उद्देश्य समाज की सहभागिता से विकास कार्यों को गति देना है। उन्होंने सभी समितियों से शासन के निर्देशों के अनुरूप नियमित कार्य, प्रतिवेदन एवं दस्तावेजीकरण सुनिश्चित करने का आग्रह किया तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में पौधरोपण अभियान संचालित कर नीम ग्राम विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने आश्चर्य किया कि परिषद सभी समितियों को हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता कल्याण यादव ने किया। कार्यक्रम की सफलता में सभी परामर्शदाताओं, नवांकुर संस्थाओं एवं प्रस्फुटन समितियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। बैठक के अंत में सभी प्रतिभागियों ने परिषद की योजनाओं एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों का निष्ठापूर्वक पालन करने का संकल्प लिया। प्रशिक्षण के माध्यम से आगामी कार्यक्रमों की स्पष्ट कार्ययोजना तैयार की गई, जिससे विकासखंड मानपुर में जनभागीदारी, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, एक पेड़ मां के नाम अभियान तथा नशामुक्ति जैसे जनहितकारी अभियानों की और अधिक गति मिलेगी।

भाजपा मंडल राजनगर की मासिक

कामकाजी बैठक फुलकोना में संपन्न



आगामी गतिविधियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तार से चर्चा की गई। मंडल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी ने पिछले माह में किए गए संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए कार्यकर्ताओं से संगठन के निर्धारित कार्यक्रमों को पूरी सक्रियता और आपसी समन्वय के साथ संपन्न कराने की अपील की। उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी कार्यकर्ताओं को दी।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे मौजूद

बैठक का संचालन अरविंद सिंह परिहार ने किया। कार्यक्रम के अंत में जीवनलाल केवट ने उपस्थित अतिथियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया तथा बैठक के समापन की घोषणा की। इस अवसर पर अरविंद सिंह परिहार, राजेश जायसवाल, सुनील गुप्ता, शिव मूरत केवट, सचिन द्विवेदी, पार्षद पावती सिंह, नारायण साहू, हरिलाल साकेत, गोपाल चौधरी, प्रमोद शुक्ला, रविदास चौधरी, मंडल मीडिया प्रभारी पंकज कुमार शर्मा, पार्षद संगीता साहू, सुशीला रीना शर्मा सहित मंडल के पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रभारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप



मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 का किया गया शुभारंभ

कोतमा। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 2026 नगरपालिका मुख्यालय बिजुरी में स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का शहडोल संभाग की कमिश्नर सुरभि गुप्ता ने निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिविर में स्वास्थ्य प्रशिक्षण, दवा वितरण तथा आमजन को कराई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। कमिश्नर ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि, शिविर में आने वाले प्रत्येक हितग्राहियों को समय पर गुणवत्तापूर्ण एवं सहज स्वास्थ्य सेवाए प्रदान किया जाए। आवश्यक दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए मरीजों को समुचित उपचार प्रदान किया जाए। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के उद्देश्य को अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं का प्रभावी और पारदर्शी क्रियाचरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही कोतमा ब्लॉक में टीबी की दवा ले रहे मरीजों को समय पर दवा उपलब्ध और फ़ूड बास्केट भी देना सुनिश्चित करें। इस दौरान कार्यक्रम में मंत्री दिलीप जायसवाल (लघु एवं कुटीर उद्योग स्वतंत्र प्रभार) शहडोल कमिश्नर सुरभि गुप्ता, अनूपपुर कलेक्टर रत्नाकर झा, सीएमएचओ अलका तिवारी, डीटीओ डॉ. एससी रॉय, सीबीएमओ डॉ के एल दीवान, डीपीसी सिम्मी वानखेड़े, शिवकुमार नामदेव, ज्योति गुप्ता व अन्य स्वास्थ्य स्टाॅफ उपस्थित रहे।

रंगारंग सावन महोत्सव में महिलाओं ने झूले का लुत्फ उठाया हाथों ने लगाई मेहंदी हरा रंग रहा आकर्षक



कोतमा। नामदेव समाज की महिलाओं का आकर्षक रंगारंग सावन महोत्सव बुधवार को नगर के वार्ड क्रमांक सात बूढ़ी माता मंदिर मे मनाया गया। दीप प्रज्वलित कर नामदेव जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। संयोजिका मंजूषा नामदेव ने बताया कि इस अवसर पर नामदेव समाज की युवतियों महिलाओं की भागीदारी रही। इस अवसर पर सभी महिलाएं हरे रंग की साड़ी पहन कर आई थीं सभी ने हाथों मे मेहंदी रचाई थी। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ जिसमें सौंदर्य प्रतियोगिता, मिस एंड मिसेज नामदेव प्रतियोगिता, डॉस प्रतियोगिता, फैसी ड्रेस प्रतियोगिता आदि के कार्यक्रम आयोजित किए गए। साथ सावन महोत्सव में झूला लगाया गया था जहां सभी ने जमकर झूलें का लुत्फ उठाते हुए झूला झूला। नामदेव समाज की महिलाओं ने सावन के पवित्र महीने में हर्षोल्लास के साथ सावन महोत्सव मनाया। **मुख्य आकर्षण** – महिलाओं ने विशेष रूप से सावन के प्रतीक हरे रंग के वस्त्र व पारंपरिक लहरिया साड़ियां पहनीं थीं। सावन के गीत, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। **परस्पर मेल-मिलाप** – मंजूषा नामदेव ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज की महिलाओं को एकजुट करना और सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाना रहा। कार्यक्रम के अंत मे नामदेव समाज की आई हुई महिलाओं को सौंदर्य सामग्री भेंट की गई।

केरहाधाम से आज निकलेगी कांवड़ यात्रा
राजनगर। सावन मास के पावन अवसर पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रविवार को केरहाधाम से सिद्ध बाबा केदारनाथ धाम (मनेन्द्रगढ़) के लिए भव्य कांवड़ यात्रा निकाली जाएगी। कांवड़ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में ख़ासा उत्साह देखा जा रहा है। कावड़ यात्रा से पूर्व यशवंत सिंह अध्यक्ष नगर परिषद बनगवां (राजनगर) तथा आजपा मंडल अध्यक्ष कल्लेश चव्हेड़ी व क्षेत्र के वरिष्ठ आजपा नेताओं ने केरहाधाम सड़क मार्ग का आवश्यक मरम्मत का कार्य करवाया है।

डीजे की धुन पर निकली भव्य कांवड़ यात्रा, नगर भ्रमण कर सिद्धबाबा पहुंचीं कांवड़

अमलाई।

सावन के पावन अवसर पर रविवार को बरगवां के गांधीनगर से सिद्धबाबा मंदिर तक भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। शिव शक्ति परिवार बरगवां के आयोजन में निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। डीजे की भक्तिमय धुनों और ‘हर-हर महादेव’ के जयघोष से पूरा क्षेत्र शिवमय हो गया।कांवड़ यात्रा गांधीनगर से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण करते हुए सिद्धबाबा मंदिर पहुंची। यात्रा में महिलाएं, पुरुष और बच्चे उत्साहपूर्वक शामिल हुए। बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु पारंपरिक परिधान में कांवड़ लेकर चल रही



मानव सेवा दिवस पर राजनगर कांग्रेस ने बच्चों के बीच मनाया इमरान प्रतापगढ़ी का जन्मदिन



हरिभूमि न्यूज राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मानव सेवा दिवस के अवसर पर राज्यसभा सांसद एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी का जन्मदिन बच्चों के बीच सेवा और सहयोग की भावना के साथ मनाया। कार्यक्रम शासकीय एकीकृत

माध्यमिक विद्यालय छोटी भलमुड़ी, शांतिनगर तथा आंगनबाड़ी केंद्र बनगवां क्रमांक- 126 में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कांग्रेस एवं इंटक के वरिष्ठ नेता जे.पी. श्रीवास्तव के नेतृत्व में पूर्व प्रदेश सचिव अल्पसंख्यक कांग्रेस राजनगर मोहम्मद इफ्तखार द्वारा किया गया। इस दौरान विद्यालय एवं

आंगनबाड़ी केंद्र में अध्ययनरत बच्चों को फल, पेंसिल, कॉपी और रबर वितरित किए गए। सामग्री पाकर बच्चों के चेहरे पर खुशी देखने की मिली। कार्यकर्ताओं ने कहा कि जन्मदिन जैसे अवसरों को जरूरतमंद और बच्चों के बीच सेवा कार्य के रूप में मनाने से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। कार्यक्रम के दौरान इमरान प्रतापगढ़ी के जन्मदिन पर उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना भी की गई। इस अवसर पर कांग्रेस के उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष पुल्लू दुबे, राजू श्रीवास्तव, युवा नेता मुकेश राजभर, आलोक सिंह, मनोहर जायसवाल, नूर अली, इमरान अंसारी, बंटी इमरान खान, राहुल जायसवाल, हसनैन अंसारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कन्या शिक्षा परिसर कटकोना में धूमधाम से मना विश्व आदिवासी दिवस, विद्यार्थियों ने ‘हर घर तिरंगा’ अभियान के साथ दिया ‘राष्ट्र प्रथम’ का संदेश



बुढ़ार। कन्या शिक्षा परिसर कटकोना में विश्व आदिवासी दिवस अत्यंत उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने आदिवासी संस्कृति, परंपराओं एवं गौरवशाली विरासत को प्रदर्शित करते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति से परिचित कराना और उनके मन में अपनी धरोहर के प्रति गौरव की भावना जागृत करना था।

हाथों में तिरंगा थाम जगाई देशभक्ति की अलख

विश्व आदिवासी दिवस के इस विशेष अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा ‘हर घर तिरंगा’ अभियान का भी शुभारंभ किया गया। हाथों में तिरंगा लेकर विद्यार्थियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश दिया। साथ ही, उन्होंने आमजन को आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने-अपने घरों में तिरंगा

फहराने के लिए प्रेरित किया। परिसर में इस अभियान को लेकर छात्राओं में अद्भुत उत्साह देखने को मिला।

अपनी संस्कृति पर गर्व करते हुए शिक्षा के पथ पर बढ़ें आगे: आनंद सिन्हा

कार्यक्रम में पहुंचे जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त आनंद सिन्हा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए विश्व

आदिवासी दिवस, आदिवासी दिवस, आदिवासी दिवस

आदिवासी दिवस के महत्व पर प्रका उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपराएं और जीवन मूल्य हमारी समृद्ध सामाजिक विरासत का अभिन्न हिस्सा हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपनी संस्कृति पर गर्व करते हुए शिक्षा के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

सहायक आयुक्त ने विद्यार्थियों द्वारा शुरू किए गए ‘हर घर तिरंगा’ अभियान की सराहना करते हुए कहा कि ‘राष्ट्र प्रथम’ की भावना प्रत्येक नागरिक के दिल में होनी चाहिए।

सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीयता का बना संगम

इस अवसर पर कन्या शिक्षा परिसर की अधीक्षिका रीता श्याम, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। इस संयुक्त आयोजन ने विद्यार्थियों में सांस्कृतिक गौरव, देशभक्ति और सामाजिक सहभागिता की भावना को और अधिक सुदृढ़ किया।

बारिश ने खोली जल निकासी व्यवस्था की पोल, धुरवासिन पंचायत में जलभराव से ग्रामीण परेशान

पुलिया और नाली नहीं होने से पंचायत भवन परिसर में घुसा पानी, आठ घरों में भी जलभराव की स्थिति

अनूपपुर। जिले की जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत धुरवासिन में शनिवार-रविवार की रात हुई तेज बारिश ने गांव की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। बारिश के बाद पंचायत भवन परिसर सहित आसपास के क्षेत्र में भारी जलभराव हो गया। स्थिति यह रही कि पंचायत भवन तक पहुंचना मुश्किल हो गया, वहीं करीब आठ घरों में भी पानी घुसने की स्थिति बन गई। ग्राम पंचायत की सरपंच तेजस्वती सिंह ने बताया कि पंचायत क्षेत्र में बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या को देखते हुए पूर्व में कई बार प्रशासनिक स्तर पर पुलिया निर्माण की मांग की गई थी। ग्रामीणों का आरोप है कि मांग के बावजूद अब तक इस दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई।

17-18 किमी सड़क का निर्माण, जल निकासी की व्यवस्था नहीं-सरपंच ने बताया कि वर्तमान में लोक निर्माण विभाग द्वारा धुरवासिन से जमुना तक करीब 17-18 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कराया जा रहा है। सड़क में मिट्टी का भराव किया गया है, लेकिन कहीं भी पुलिया अथवा जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं बनाई गई है। इसका परिणाम यह हुआ कि भारी बारिश के बाद पानी का बहाव रुक गया और गांव में जलभराव की गंभीर स्थिति निर्मित हो गई। पंचायत भवन परिसर में पानी घुसने के साथ ही



आसपास के घरों में भी पानी पहुंचने की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क निर्माण के साथ पुलिया एवं जल निकासी की व्यवस्था कर दी जाती तो वर्तमान में उत्पन्न जलभराव की स्थिति से बचा जा सकता था।

12 वार्ड, साढ़े तीन हजार की आबादी-ग्रामीणों के अनुसार धुरवासिन पंचायत में 12 वार्ड हैं और यहां करीब साढ़े तीन हजार की आबादी निवास करती है। इसी मार्ग से महुदा-जैतहरी-धुरवासिन पहुंच मार्ग भी जुड़ा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान पहले भी यहां जलभराव की समस्या सामने आती रही है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं होने से हर साल परेशानी बढ़ जाती है। ग्रामीणों ने प्रशासन एवं संबंधित निर्माण विभाग से मांग की है कि सड़क निर्माण के साथ आवश्यक स्थानों पर पुलिया और जल निकासी की व्यवस्था तत्काल कराई जाए, ताकि बारिश के दौरान गांव में जलभराव की समस्या से लोगों को राहत मिल सके।

रेलवे मजदूर कांग्रेस की सीआईसी क्षेत्र की संयुक्त शाखा बैठक संपन्न

शहडोल।

रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर के कार्यालय में रविवार 9 अगस्त 2026 को सीआईसी क्षेत्र की विभिन्न शाखाओं—उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, पेंडारोड, मनेंद्रगढ़ और करंजी—की एक महत्वपूर्ण संयुक्त बैठक आयोजित की गई।

बैठक में बिलासपुर मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने की, जबकि अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री राजेश खोपरागढ़े और केन्द्रीय कोषाध्यक्ष साई किरण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण और संगठन विस्तार पर जोर

बैठक को संबोधित करते हुए बिलासपुर मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री ने बताया कि महामंत्री पीतांबर लक्ष्मीनारायण के निर्देशानुसार यह संयुक्त बैठक आयोजित की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य संगठन के सभी पदाधिकारियों को कार्यकर्ता प्रशिक्षण, संगठनात्मक नियमों की जानकारी और पूर्ण अनुशासन के



साथ रेल कर्मचारियों की सेवा करने का प्रशिक्षण देना है।जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन के सभी पदाधिकारियों को प्रशिक्षित कर रेलवे मजदूर कांग्रेस के पंचशील कार्यक्रमों को आगे बढ़ाना है: **रक्तदान,परिवार नियोजन,वृक्षारोपण,खेल एवं एथलीट प्रोत्साहन,** स्वच्छता और सफाई

अभियानइन रचनात्मक कार्यों के माध्यम से रेल कर्मचारियों और समाज की सेवा का संकल्प लिया गया। **अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों की उपस्थिति** बैठक को विभिन्न शाखाओं के सचिवों—जावेद खान (उमरिया), बालकृष्ण बंगारी (शहडोल), जयंती दास गुप्ता (अनूपपुर), एन. हेमंत कुमार

(पेंडारोड), खुर्शीद आलम (मनेंद्रगढ़) और पप्पू सिंह (करंजी)—ने भी संबोधित किया और संगठनात्मक मजबूती पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर सिराज अहमद मंसूरी, संजीव राव, प्रशांत दीक्षित, प्रभाष कुमार, मनीलाल राजवाड़े, इरशाद अहमद, जान सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ख़बर संक्षेप

पहली बारिश में बह गया

अमरकंटक बराती मार्ग का हिस्सा



अमरकंटक। अमरकंटक से बराती जाने वाले मुख्य मार्ग पर लाखों रुपये की लागत से हाल ही में बनाई गई डामर सड़क का एक हिस्सा पहली ही तेज बारिश में बह गया। सड़क का निर्माण करीब दो-तीन माह पहले ही कराया गया था। पहली बारिश में सड़क के क्षतिग्रस्त होने से निर्माण गुणवत्ता को लेकर स्थानीय नागरिकों में नाराजगी है और जिम्मेदार एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार अमरकंटकछबराती मुख्य मार्ग पर सड़क निर्माण का कार्य नगर परिषद अमरकंटक द्वारा विधिवत टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से ठेकेदार से कराया गया था। निर्माण पूरा होने के कुछ ही समय बाद तेज बारिश में सड़क का हिस्सा बह जाने से निर्माण में हस्तक्षेमाल सामग्री, सड़क की मजबूती, जल निकासी व्यवस्था और तकनीकी मानकों के पालन को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पहली बारिश ने खोल दी निर्माण की पोल–स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण पर सार्वजनिक धन खर्च किया गया है। ऐसे में यदि नई सड़क पहली ही बारिश में क्षतिग्रस्त होकर बहने लगे तो यह गंभीर जांच का विषय है। नागरिकों ने सड़क निर्माण की तकनीकी जांच और गुणवत्ता परीक्षण कराने की मांग की है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि निर्माण के दौरान निर्धारित मापदंडों का पालन किया गया था या नहीं। सड़क का हिस्सा बह जाने से ग्रामीणों, राहगीरों और वाहन चालकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षतिग्रस्त हिस्से पर दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। लोगों ने प्रशासन और नगर परिषद से मांग की है कि मौके का तत्काल निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त हिस्से की सुरक्षित तरीके से मरम्मत कराई जाए। नागरिकों ने यह भी मांग की है कि सड़क निर्माण की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदारी तय की जाए। यदि निर्माण में किसी प्रकार की लापरवाही या निर्धारित मानकों की अमदेखी सामने आती है तो संबंधित ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। पहली बारिश में ही नई सड़क के बह जाने की घटना ने अमरकंटक में सड़क निर्माण की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि नगर परिषद और प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

मृत्युंजय आश्रम में गूंज रही श्रीराम कथा की अमृतधारा



अमरकंटक। प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक के प्रमुख मृत्युंजय आश्रम में इन दिनों भगवान श्रीराम की भक्ति की अविरल धारा प्रवाहित हो रही है। आश्रम परिसर में आयोजित नव दिवसीय संगीतमय श्रीरामों में प्रतिदिन लाखों संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र, धर्म, मर्यादा, त्याग और संस्कारों का श्रवण कर रहे हैं। कथा स्थल पर भजनों, संगीतमय प्रस्तुतियों और श्रीराम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। उत्तर प्रदेश के इटावा-मैनपुरी क्षेत्र से पधारे कथा व्यास पंडित श्रीराम भाई महाराज कथा व्यास पीठ से श्रद्धालुओं को संगीतमय शैली में श्रीराम कथा का रसपान करा रहे हैं। कथा के दौरान उनके द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे प्रसंग श्रद्धालुओं को भावविभोर करने के साथ ही जीवन में धर्म, सत्य, संयम, सेवा और सदाचार अपनाने की प्रेरणा दे रहे हैं। श्रीराम कथा का शुभारंभ 5 अगस्त बुधवार को श्रावण कृष्ण पक्ष सप्तमी, अश्विनी नक्षत्र से हुआ है। नौ दिवसीय यह कथा 13 अगस्त गुरुवार को श्रावण शुक्ल प्रतिपदा, अश्लेषा नक्षत्र के अवसर पर पूर्ण होगी। समापन अवसर पर हवन, पूजन एवं अर्चन के साथ कन्या भोज तथा बाह्यम भोज का आयोजन किया जाएगा। कथा के दौरान कथा व्यास पंडित श्रीराम भाई महाराज ने भगवान विष्णु के अवतार से जुड़े मनु-सतरूपा प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। श्रीराम कथा के दौरान माता कोशल्या के चरित्र का भी अत्यंत मार्मिक एवं प्रेरणादायी वर्णन किया गया। कथा व्यास ने कहा कि माता कोशल्या का स्वभाव अत्यंत सीम्य था। वे विपरीत परिस्थितियों में भी अपना धैर्य और संतुलन नहीं खोती थीं। उनका जीवन भारतीय नारी के त्याग, ममता, सहनशीलता, धैर्य और मर्यादा का अद्भुत उदाहरण है। कथा व्यास ने श्रद्धालुओं से कहा कि जीवन में परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हो जाए, मनुष्य को अपनी वाणी, व्यवहार और संस्कारों की सफाई नहीं छोड़नी चाहिए। विपरीत परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखना ही वास्तविक शक्ति है। माता कोशल्या का जीवन प्रत्येक व्यक्ति को कठिन समय में संयम और मर्यादा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

श्रावण सोमवार विशेष रू नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक के 11 रुद्र मंदिर में

उमड़ा श्रद्धा का सागर
हरिभूमि न्यूज अनूपपुर/अमरकंटक। श्रावण मास के पावन सोमवार पर नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक स्थित प्राचीन 11 रुद्र मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। भगवान शिव के एकादश रुद्र स्वरूपों के दर्शन एवं पूजन के लिए अमरकंटक सहित दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। सुबह से ही मंदिर परिसर में भगवान शिव के जयकारों, मंत्रोच्चार, बेलपत्र अर्पण और रुद्राभिषेक से वातावरण भक्तिमय बना रहा। प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित संदीप ज्योतिषी ने भगवान शिव के 11 रुद्रों की महिमा बताते हुए कहा कि एकादश रुद्रों का पूजन मनुष्य के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, साहस, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक शक्ति का संचार करता है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव का रुद्र स्वरूप केवल संहार का प्रतीक नहीं, बल्कि अधर्म और नकारात्मकता का नाश कर जीवन में नई ऊर्जा और चेतना का संचार करने वाला स्वरूप है।

दुखों का नाश करने वाला है रुद्र स्वरूप

पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि रुद्र का अर्थ संसार के दुखों का नाश करने वाला और अज्ञान के अंधकार को दूर करने वाला माना गया है। भगवान शिव के रुद्र स्वरूप में शक्ति, साहस, करुणा और अनुशासन का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। रुद्र का क्रोध अधर्म और असुरता के विनाश के लिए है, जबकि उनकी करुणा भक्तों के कल्याण और उत्थान का आधार है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव के 11 रुद्रों के नाम कपाली, पिंगल, भीम, विरूपाक्ष, विलोहित, शास्ता, अजपाद, अहिरुध्न्य, शंभु, चंड और भव हैं। इन स्वरूपों को जीवन की विभिन्न ऊर्जाओं का प्रतीक भी माना गया है। कुछ रुद्र शक्ति, साहस और पराक्रम के प्रतीक हैं तो कुछ शांति, करुणा, आत्मचिंतन और संतुलन का संदेश देते हैं।

महर्षि कश्यप की तपस्या से प्रसन्न हुए थे भगवान शिव

पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि धार्मिक ग्रंथों के



चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय में निःशुल्क चिकित्सा शिविर, 66 मरीजों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण शुगर और रक्तचाप की जांच के साथ चिकित्सकों ने दिए स्वास्थ्य संबंधी परामर्श

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में कल्याण सेवा आश्रम द्वारा संचालित चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय एवं प्रथम हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। सेवा, समर्पण और मानवीय सवेदना की भावना से आयोजित शिविर में अमरकंटक सहित आसपास के क्षेत्र के नागरिकों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण करवाया और चिकित्सकों से आवश्यक परामर्श लिया। आयोजकों के अनुसार चंद्राचार्य धर्मार्थ चिकित्सालय में प्रत्येक माह के प्रथम एवं द्वितीय रविवार को नियमित रूप से निःशुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाते हैं। इन शिविरों का उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं और चिकित्सकीय परामर्श आसानी से उपलब्ध कराना है। रविवार को आयोजित शिविर में कुल 66 मरीजों का पंजीयन किया गया। मरीजों के सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के साथ शुगर और रक्तचाप की जांच भी की गई। चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को समझते हुए आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। साथ ही रोगों से बचाव, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने को उपाहार उपलब्ध किया गया। शिविर में डॉ. सुभाष सिंह एवं डॉ. लाहड़ी ने मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार एवं चिकित्सकीय मार्गदर्शन प्रदान किया। वहीं प्रयोगशाला संबंधी जांच में लेब टेक्नीशियन रविकांत एवं राजेश कुमार तिवारी ने सहयोग किया। शिविर के सफल संचालन में सुखनंदन सिंह, रामसनेही नापित, दीपक कुमार चंद्रवंशी एवं ईश्वरी पंडराम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने पंजीयन, मरीजों की जांच व्यवस्था, आवश्यक मार्गदर्शन एवं अन्य व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। स्वास्थ्य जागरूकता की भी दिशा जा रहा बढ़ावा-कल्याण सेवा आश्रम के प्रतिनिधियों ने बताया कि आश्रम का उद्देश्य केवल मरीजों को उपचार उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि लोगों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी है। नियमित निःशुल्क चिकित्सा शिविरों के माध्यम से ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि अमरकंटक और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए इस प्रकार के निःशुल्क चिकित्सा शिविर काफी उपयोगी हैं। इन शिविरों के माध्यम से लोगों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श के साथ आवश्यक प्रार्थमिक जांच की सुविधा भी एक ही स्थान पर मिल जाती है। कल्याण सेवा आश्रम की यह पहल सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का सराहनीय उदाहरण है।

रेलवे मजदूर कांग्रेस की संयुक्त बैठक में संगठन को मजबूत करने पर जोर

छह शाखाओं के पदाधिकारियों को दिया गया कार्यकर्ता प्रशिक्षण

पंचशील कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने का निर्णय

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

रेलवे मजदूर कांग्रेस की सीआईसी क्षेत्र अंतर्गत उमरिया, शहडोल, अनूपपुर, पेंड्रारोड, मर्नेद्रागढ़ एवं करंजी शाखाओं की संयुक्त बैठक रविवार 9 अगस्त को रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा अनूपपुर कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में संगठन को मजबूत करने, पदाधिकारियों को प्रशिक्षित करने तथा रेल कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए अनुशासित एवं प्रभावी ढंग से कार्य करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिलासपुर मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री हैं। कार्यक्रम के साथ रेल अध्यक्षता जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव ने की। अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री राजेश खोपरागड़े एवं केंद्रीय कोषाध्यक्ष साईं किरण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

संगठन के नियमों और कार्यप्रणाली की दी जानकारी

बैठक को संबोधित करते हुए



मंडल समन्वयक विजय अग्निहोत्री ने कहा कि महामंत्री पीताम्बर लक्ष्मीनारायण के निर्देश पर सीआईसी क्षेत्र की विभिन्न शाखाओं की संयुक्त बैठकें आयोजित की जा रही हैं। इसका मुख्य उद्देश्य संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देना, संगठन के नियमों और कार्यप्रणाली को जानकारी देना तथा अनुशासन के साथ रेल कर्मचारियों की सेवा करने के लिए उन्हें तैयार करना है। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और प्रशिक्षण पर निर्भर करती है। प्रत्येक पदाधिकारी को अपने दायित्वों को समझते हुए रेल कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से उठाना चाहिए और उनके समाधान के लिए संगठित प्रयास करना चाहिए।

24 घंटे में कब्जा हटाने के

निर्देश, नहीं हटाया तो जेसीबी से होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। धार्मिक,

आध्यात्मिक एवं पर्यटन नगरी अमरकंटक में यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने और मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से नगर परिषद ने शनिवार को सघन अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया। नगर परिषद के अमले ने पुलिस बल एवं राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में विभिन्न प्रमुख मार्गों, धार्मिक स्थलों और घाटों के आसपास किए गए अवैध कब्जों को हटाया। कार्रवाई के दौरान दुकानों के बाहर निर्धारित सीमा से आगे बढ़कर रखी गई सामग्री तथा अस्थायी एवं अवैध निर्माण को हटाने हुए व्यापारियों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे तय सीमा के भीतर ही व्यवसाय करें। अभियान के दौरान दिगंबर जैन सर्वोदय तीर्थ क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर दुकानदारों द्वारा दुकानों के सामने निर्धारित सीमा से बाहर किए गए अतिक्रमण को हटाया गया। दुकानों के आगे अतिरिक्त स्थान घेरकर रखी गई सामग्री को हटाने हुए व्यापारियों को समझाइश दी गई कि सड़क और सार्वजनिक मार्ग पर किसी भी प्रकार का सामान रखकर

आवागमन बाधित न करें। इसी दौरान जैन मंदिर परिसर के पीछे किए गए पांच अवैध निर्माणों को भी नगर परिषद के अमले ने हटाया।

कोटि तीर्थ घाट और गांधी कुंड मार्ग पर भी कार्रवाई

नगर परिषद की टीम ने वाई क्रमांक 10 स्थित कोटि तीर्थ घाट एवं गांधी कुंड मुख्य मार्ग का भी निरीक्षण किया। यहां सड़क किनारे किए गए अतिक्रमण और अवैध निर्माण को लेकर संबंधित व्यापारियों को 24 घंटे की मोहलत दी गई। व्यापारियों को निर्देशित किया गया कि वे मुख्य मार्ग से पांच फीट अंदर रहकर ही अपनी दुकानें संचालित करें तथा सड़क की सीमा में आने वाले अवैध निर्माण और कब्जे स्वयं हटा लें। नगर परिषद ने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा के भीतर यदि अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो जेसीबी मशीन के माध्यम से कब्जे को बलपूर्वक हटाया जाएगा। कार्रवाई में होने वाले खर्च और अन्य जिम्मेदारी संबंधित अतिक्रमणकर्ता की होगी।

नर्मदा मंदिर क्षेत्र में भी व्यापारियों को चेतावनी

अभियान के दौरान नर्मदा मंदिर के

आसपास संचालित दुकानों का भी निरीक्षण किया गया। नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने व्यापारियों को निर्देशित किया कि दुकान की सामग्री मुख्य मार्ग पर न रखें और न ही दुकान की निर्धारित सीमा से बाहर किसी प्रकार का स्थायी अथवा अस्थायी कब्जा करें। अधिकारियों ने कहा कि अमरकंटक में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में मुख्य मार्ग पर अतिक्रमण होने से पैदल यात्रियों के साथ वाहनों के आवागमन में भी परेशानी होती है। कई स्थानों पर सड़क की चौड़ाई कम होने से जाम की स्थिति बनने की संभावना रहती है। नगर परिषद ने व्यापारियों से अपील की कि वे स्वयं निर्धारित सीमा का पालन करें और नगर की यातायात एवं स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

अतिक्रमण मिलने पर होगी सख्त कार्रवाई

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक मार्गों पर अतिक्रमण कर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बार-बार चेतावनी के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने वालों के कब्जे नगर परिषद द्वारा बलपूर्वक

अमरकंटक में रातभर झमाझम बारिश सावन में हरियाली की चादर ओढ़ी

घने बादलों और पहाड़ियों पर छाई धुंध ने बढ़ाई प्राकृतिक सुंदरता बारिश से किसानों के चेहरे भी खिले

हरिभूमि न्यूजअमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक में बीती रात से हो रही झमाझम बारिश ने सावन के मौसम की खूबसूरती को और निखार दिया है। लगातार बारिश के चलते तपोभूमि अमरकंटक चारों ओर से हरियाली की चादर में लिपटी नजर आ रही है। घने बादलों की छवि, पहाड़ियों पर छाई धुंध और जंगलों से होकर बहती बारिश की धाराओं ने पूरे क्षेत्र को मनोहारी बना दिया है। सुबह से ही रुक-रुककर हो रही बारिश के बीच अमरकंटक का प्राकृतिक सौंदर्य देखते ही बन रहा है। नर्मदा उद्गम क्षेत्र, रामघाट, कपिलधारा सहित आसपास के वनांचल में बारिश के बाद पेड़-पौधे धूलकर चमक उठे हैं। पहाड़ियों और जंगलों में चारों ओर फैली हरियाली लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रही है। बारिश के बीच पहाड़ियों से उठती धुंध और बादलों से ढके आसमान का दृश्य अमरकंटक की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। श्रद्धालु और पर्यटक भी मौसम का आनंद लेते हुए प्राकृतिक नजारों को अपने कैमरों में कैद करते नजर आए।

चंड ॐ चं चंडाय नमः भव ॐ भवं भवाय नमः, मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक मंत्रों का जाप करते हुए भगवान शिव के एकादश रुद्र स्वरूपों का पूजन किया।

रुद्र पूजन से मानसिक शांति और सकारात्मकता

पंडित संदीप ज्योतिषी के अनुसार भगवान शिव के 11 रुद्रों का ध्यान, जप और पूजन करने से मानसिक शांति, आत्मबल और सकारात्मकता की अनुभूति होती है। धार्मिक मान्यता में इसे भय और नकारात्मक विचारों से मुक्ति तथा जीवन में स्थिरता प्रदान करने वाली साधना माना गया है। उन्होंने कहा कि रुद्राभिषेक भगवान शिव की आराधना की महत्वपूर्ण विधि है। उन्होंने बताया कि एकादश रुद्र मनुष्य को जीवन में संतुलन का संदेश देते हैं। परिस्थितियों के अनुसार शांत रहना, आवश्यकता पड़ने पर साहस दिखाना, अनुशासन का पालन करना और समय-समय पर आत्ममंथन करना इन सभी गुणों को रुद्र स्वरूपों से जोड़ा गया है। इस दृष्टि से 11 रुद्र केवल धार्मिक स्वरूप नहीं, बल्कि जीवन में संतुलन और आत्मबल की प्रेरणा देने वाली दिव्य चेतना के प्रतीक माने जाते हैं।

कालसर्प दोष निवारण और रुद्राभिषेक के लिए पहुंचते हैं श्रद्धालु

पंडित संदीप ज्योतिषी ने बताया कि अमरकंटक स्थित 11 रुद्र मंदिर में श्रद्धालु रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय जप सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों के लिए पहुंचते हैं। श्रावण मास में मंदिर में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना का क्रम चलता है। मान्यता है कि श्रद्धा और विधि-विधान से की गई शिव आराधना से भक्तों को आध्यात्मिक शांति और आत्मबल प्राप्त होता है। श्रावण सोमवार के अवसर पर 11 रुद्र मंदिर का दिव्य और मनोहारी स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। मंदिर परिसर में सुबह से ही भगवान शिव के जयकारे गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने बेलपत्र, जल और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर भगवान शिव का अभिषेक किया। इस अवसर पर अनेक श्रद्धालुओं ने नर्मदा उद्गम स्थल के पवित्र वातावरण में भगवान शिव के एकादश रुद्र स्वरूपों का सामूहिक पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और विश्व कल्याण की कामना की।

अमरकंटक में अतिक्रमण पर चला नगर परिषद का डंडा, मुख्य मार्गों से हटाए अवैध कब्जे

दुकानों के बाहर तय सीमा से आगे सामान रखने वालों को चेतावनी



हटाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभियान केवल एक दिन की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि नगर के अन्य क्षेत्रों में भी लगातार निरीक्षण कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई से अतिक्रमणकारियों में मचा हड़कंप

नगर परिषद के अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान नगर परिषद का अमला, अमरकंटक थाना पुलिस बल, उप तहसील अमरकंटक के नायब तहसीलदार सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। अचानक हुई कार्रवाई से मुख्य मार्गों और धार्मिक स्थलों के आसपास अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वाले व्यापारियों में हड़कंप की स्थिति देखी गई। कार्रवाई के बाद कई स्थानों पर सड़क किनारे फैली सामग्री हटने से मार्ग अपेक्षाकृत खुला नजर आया। नगर परिषद का कहना है कि अमरकंटक की धार्मिक और पर्यटन महत्व को देखते हुए यहां आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को सुगम आवागमन उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए आगे भी अभियान जारी रहेगा।

अमरकंटक में रातभर झमाझम बारिश सावन में हरियाली की चादर ओढ़ी



तापमान में गिरावट, उमस से मिली राहत- लगातार वर्षा के कारण तापमान में गिरावट आई है। इससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली है। सुबह के समय बादलों से ढकी पहाड़ियों और पेड़ों के बीच गिरती बारिश की बुँदें अमरकंटक को किसी सुंदर चित्र की तरह बना रही हैं। मौसम सुहावना होने से स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों में भी उत्साह देखा जा रहा है। **खरीफ फसलों के लिए फायदेमंद बारिश**– सावन में हो रही यह बारिश किसानों के लिए भी राहत लेकर आई है। खेतों में पंखापन नमी पहुंचने से खरीफ फसलों को लाभ मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश के बाद कृषि कार्यों में तेजी आने की संभावना है। किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह बारिश होती रही तो फसलों के लिए मौसम अनुकूल

रहेगा और उत्तापन बेहतर होने की उम्मीद बढ़ेगी। **बारिश ने बढ़ाई अमरकंटक की खूबसूरती**–वर्षा ऋतु में अमरकंटक का प्राकृतिक स्वरूप हर साल लोगों को आकर्षित करता है, लेकिन सावन में लगातार हो रही बारिश ने इसकी खूबसूरती को और बढ़ा दिया है। जंगलों की हरियाली, बहते झरने, बादलों से ढकी पहाड़ियां और ठंडी हवाएं यहां पहुंचने वाले लोगों को अलग ही अनुभव दे रही हैं। प्रकृति प्रेमियों के लिए इन दिनों अमरकंटक आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। न्यूज लाइव उमरकंटक के संवाददाता अमरकंटक पण्डेय गुन्नु के अनुसार, यदि बारिश का यह कम आने वाले दिनों में भी जारी रहा तो अमरकंटक की पहाड़ियों, जंगलों और झरनों की प्राकृतिक छटा और अधिक निखरकर सामने आएगी।

